नहीं रुक रहा डग्गामार वाहनोंका संचालन, अधिकारी बेपरवाह

विद्यावाहिनी बस अड्डाके पास प्राइवेट वाहनोंका कब्जा विभागको प्रतिदिन हो रहा लाखोंका नुकसान

महात्मा गांधी मार्ग स्थित विद्यावाहिनी बस अड्डे के सामने चल रहे अवैध डग्गामार वाहनों के संचालन ने परिवहन विभाग की कमर तोड़ दी है। मुख्य बस अड्डे से महज २० से २५ मीटर की दूरी पर अवैध रूप से संचालित हो रहीं करीब ६० से ७० छोटी चारपहिया गाड़ियां और दर्जनों सामान्य एवं एसी बसोंके बेरोकटोक संचालन से रोडवेज के राजस्व को हर दिन लाखों का नुकसान पहुंच रहा हैं। सरेआम चल रहे इस अवैध सिंडिकेट के कारण निगम का राजस्व बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, जिसका सीधा असर अब रोडवेज के चालक और परिचालकों की आय पर पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, विद्यावाहिनी बस अड्डे के सामने से प्रयागराज से बनारस और आजमगढ़ के बीच धड़ल्ले से प्राइवेट एसी और नान एसी बसों और टैक्सियों का संचालन किया जा रहा है। इनमें कई प्राइवेट कंपनियों की एसी बसें प्रमुखता से शामिल हैं। यह अवैध गतिविधियां लंबे समय से जारी हैं, लेकिन प्रशासनिक अनदेखी के चलते इनकी संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। स्थानीय स्तर पर इन वाहनों के अवैध संचालन को खुली छूट मिलने से निगम की बसें खाली दौड़ रही हैं, जिससे सरकारी रोड टैक्स और राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। इस अवैध प्रतिस्पर्धा का खामियाजा रोडवेज के कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है। विभाग का राजस्व लक्ष्य पूरा न होने के कारण परिचालकों की प्रोत्साहन राशि में कटौती की जा रही है। चालक-परिचालकों का कहना है कि बस अड्डे से लेकर निर्धारित मार्ग तक अवैध संचालित बसों में यात्रियों को भरा जाता है। इसमें पुलिस भी सहयोग करती है। विरोध करने पर हमें मारा और धमकाया जाता है। जबकि निजी बसें निर्धारित मानकों के अनुरूप भी नहीं होती है। परिवहन निगम, परिवहन विभाग, पुलिस एवं यातायात विभाग एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों की चुप्पी और प्रशासन की निष्क्रियता ने इस पूरे अवैध नेटवर्क को और अधिक मजबूत कर दिया है, जिससे रोडवेज की आर्थिक स्थिति पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।



लीडर एवं जीरो रोड डिपोंकी बसें भी प्रभावित

हालात इतने बदतर है कि लीडर रोड डिपों के सामने दिन और रात डग्गामार वाहन से यात्रियों को ढ़ोया जा रहा है। रोडवेज के कर्मचारी दुर्व्यवस्था को देखते रहते है। वहीं लेप्रोसी स्थित बागरधर्मशाला रोड़ के पास रोडवेज कर्मियों द्वारा रोजाना घंटों ड्यूटी देने के बावजूद प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। महीने में एकाध बार आरटीओ अधिकारियों द्वारा चेंकिंग की जाती है, लेकिन फिर से हालात जस के तस हो जाते है। संचालकों का आरोप है कि पुलिस इन अवैध डग्गामार वाहनों के खिलाफ कोई ठोस काररवाई नहीं करती है। मजबूरन, वैध वाहन चालकों को अब अपनी गाड़ियां खुद ही २० से २५ सवारियां होने तक रोक कर रखनी पड़ती हैं, ताकि वे अपना खर्च निकाल सकें। पुलिस की इस कथित चुप्पी ने अवैध परिवहन माफियाओं का हौसला बढ़ा दिया है, जबकि अनुपालन करने वाले चालक आर्थिक मार झेलने को मजबूर हैं।

संविदा चालक परीक्षामें पास हुए चार अभ्यर्थी

बुधवार को नैनी स्थित जीरो रोड़ बस अड्डा पर संविदा चालक की भर्ती के लिए रोजगार मेला लगा। हालांकि लाइसेंसिंग प्रक्रिया के दौरान बड़ी खामियां सामने आई जिससे प्रतिभागियों को भर्ती प्रक्रिया से बाहर होना पड़ा। जीरों बस अड्डे पर आयोजित एक परीक्षण में कुल ७ आवेदक शामिल हुए। जिसमें से केवल चार उम्मीदवार ही सफल हो पाए, जबकि ३ आवेदक दस्तावेजों की कमी के कारण बाहर हो गए। असफलता का मुख्य कारण आवेदकों के ड्राइविंग लाइसेंस का अधूरा होना और आधार कार्ड में मौजूद त्रुटियां रहीं। एक आवेदक का लाइसेंस पूरा होने में ६ महीने का समय शेष था, जिसके चलते उसे अयोग्य घोषित कर दिया गया।

आज प्रयागराज आयेंगे मुख्यमंत्री, सुरक्षाके पुख्ता इंतजाम

बाहरी फोर्स भी पहुंची, चार कार्यक्रमोंमें शामिल होंगे योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ १५ अक्तूबर को प्रयागराज आएंगे। यहां चार कार्यक्रमों में शामिल होंगे, दो स्थानों पर सभा को सम्बोधित भी करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन के दृष्टिगत प्रयागराज में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गय है। प्रयागराज के अलावा बाहरी फोर्स भी बुला दी गयी है। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए चारों स्थानों पर बुधवार को प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने निरीक्षण कर कार्यक्रम की तैयारियों को परखा।

मुख्यमंत्री के आने को लेकर प्रोटोकाल बुधवार को जारी कर दिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपरान्ह प्रयागराज पहुंचेंगे। सर्वप्रथम वह तेलियरंगज चौराहा के पास बाबू मसूरियादीन पासी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे तथा तेलियरंगज स्थित पेण्टिंग इंस्टीट्यूट परिसर में जनसभा करेंगे। जिसके बाद मुख्यमंत्री गवर्नमेंट प्रेस ग्राउण्ड में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इसके बाद कसारी-मसारी में पद्मलोक आवास योजना का भूमि पूजन एवं लाभार्थियों के चाबी वितरण कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

यहां के बाद वह लखनऊ के लिए प्रस्थान कर जायेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सभी विभागों के अधिकारी दिनभर अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे रहे। पीडीए, पुलिस, प्रशासन, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी सहित सभी विभाग के अधिकारी पूरे दिन कार्यक्रम स्थलों का जायजा लेते रहे। सड़क को दुरुस्त कराने का काम भी होता रहा। गड्ढे भरे गये और पैचवर्क किया गया। बता दें कि कसारी-मसारी में माफिया अताक अहमद से मुक्त कराई गई एक हेक्टेयर जमीन पर पीडीए ६०२ फ्लैट का निर्माण कराने जा रहा है। जिसके भूमि-पूजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां पहुंच रहे हैं।



मतदाता सम्मेलनको सफल बनानेको भाजपाइयों ने झोंकी ताकत

प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंहने कार्यकर्ताओंके साथकी बैठक, दिये निर्देश

भारतीय जनता पार्टी की ओर से गुरूवार को होने वाले मतदाता सम्मेलन को सफल बनाने के लिए प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पूरी ताकत झोक दी है। सम्मेलन को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सम्बोधित करेंगे।

भाजपा ने कल दोपहर एक बजे गवर्नमेंट प्रेस मैदान पर मतदाता सम्मेलन का आयोजन किया है। सम्मेलन की सफलता के लिए प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुधवार को जिला प्रभारी राकेश त्रिवेदी, एमएलसी अनूप गुप्ता, काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष एवं स्नातक चुनाव के सह संयोजक अवधेश चंद्र गुप्ता, जिलाध्यक्ष संजय गुप्ता व कार्यकर्ताओं के साथ सभा स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों को परखा। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रणनीति बनायी। कहा कि पोलिंग बूथों पर सक्रियता बढ़ा कर मतदाताओं से संपर्क का नियमित अभियान चलाएं कार्यकर्ता। स्नातक मतदाता सम्मेलन से लेकर २३ अक्टूबर मतदान के दिन तक कार्यकर्ता चैन से न बैठे।अधिक से अधिक संख्या में मतदान हो इसका पूरा खाका पार्टी कार्यकर्ता तैयार कर लें। भाजपा जिला मीडिया विभाग के विवेक मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपरान्ह तीन बजे सम्मेलन को संबोधित करेंगे। प्रयागराज महानगर, गंगापार एवं यमुनापार से बड़ी संख्या में स्नातक मतदाता इस कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। निरीक्षण और बैठक में प्रदेश प्रवक्ता आशीष गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, शशि वार्ष्णेय,महानगर उपाध्यक्ष आनंद सोनकर, अनिल केसरवानी झल्लर, महानगर महामंत्री डा.शैलेश पांडेय, विक्रमजीत भदौरिया, जिला प्रवक्ता पवन श्रीवास्तव आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

दस्तावेज सत्यापनके लिए आरआरसी कार्यालय पहुंचे उम्मीदवार

सीसीएए अभ्यर्थी की दस्तावेज सत्यापनसे पूर्व छंटनीका मुद्दा उठा, अधिकारियोंने किया निराकरण

केन्द्रीकृत रोजगार सूचना संख्या-०८/२०२४ के अन्तर्गत लेवल-१ के विभिन्न पदों हेतु विज्ञापित २०२० पदों हेतु दस्तावेज सत्यापन एवं चिकित्सा परीक्षण का कार्यक्रम २६ अक्तूबर से २३ नवम्बर तक रेल भर्ती प्रकोष्ठ,प्रयागराज में निर्धारित किया गया है। डाक्युमेंट वैरीफिकेशन का विस्तृत शेड्यूल एवं श्रेणी, समुदाय वार कटआफ आरआरसी की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया गया है। इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि, सम्बन्धित आरआरबी द्वारा हारिजान्टल श्रेणियों में अधिसूचित रिक्तियों के अनुसार सीसीएए, पीडब्ल्यूबीडी, एक्स-सर्विसमैन आदि को शार्टलिस्ट करके डेटा सम्बन्धित आरआरसी को मास्टर फाइल के साथ दिया जाता है। रेल भर्ती प्रकोष्ठ द्वारा इसे जारी किया जाता है।

बुधवार को लगभग ६०-७० की संख्या में सीसीएए उम्मीदवारों का समूह केन्द्रीकृत रोजगार सूचना संख्या- ०८/२०२४ (लेवल-१) के अन्तर्गत आयोजित की जा रही दस्तावेज सत्यापन के संबंध में आरआरसी, प्रयागराज कार्यालय में एकत्र हुए। कुछ उम्मीदवारों द्वारा नान रेलवे सीसीएए अभ्यर्थी की दस्तावेज सत्यापन से पूर्व छंटनी करने के सम्बन्ध में बिंदु उठाया गया। जिसका अधिकारियों ने निराकरण किया। इस बार पिछली बार की तुलना में मेरिट अधिक चली गयी है।अधिकारियों ने बताया कि पदों की संख्या के आधार पर मेरिट ऊपर-नीचे होती है।

किसी भी सीधी भर्ती परीक्षा में कटआफ रिक्तियों की उपलब्धता, समुदाय, आरक्षण एवं मेरिट पर निर्भर करता है। बताया गया कि उम्मीदवार की पात्रता केवल उसके द्वारा आनलाइन आवेदन में दी गयी जानकारी के आधार पर ही निर्धारित की जायेगी।

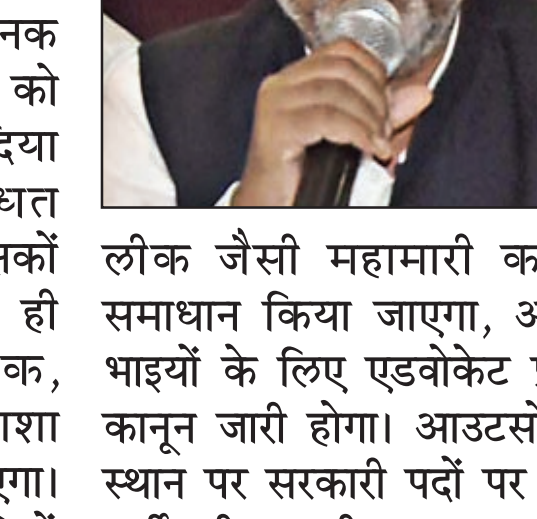
यदि भर्ती की प्रक्रिया के दौरान अथवा उसके पश्चात किसी उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन में दी गयी सूचना झूठी/गलत होने अथवा संबंधित सूचना को छिपाये जाने पर अथवा उम्मीदवार द्वारा पद के लिये अपेक्षित मानदण्ड पूरे नहीं किये जाने पर, उसकी पात्रता समाप्त कर दी जायेगी।दस्तावेज सत्यापन के समय, आरआरसी उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत मूल सहायक दस्तावेजों के विरूद्ध आनलाइन आवेदन में दिये गये विवरणों का सत्यापन करेगा।

अधिकारियों ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया के सभी चरणों को पूर्ण पारदर्शिता एवं नियमानुसार सम्पादित किया जाता है। इसके सम्बन्ध में सूचना आरआरसी, प्रयागराज की अधिकृत वेबसाइट पर समय-समय पर जारी किया जाता है।

'बाल्टीमें कीचड़ भरकर चल रही भाजपा, सपा प्रत्याशियोंपर उछाल रही'

डा. मानसिंह यादव ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के आरोपों को निराधार बताते हुए भाजपा पर सपा प्रत्याशियों की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव में भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए बाल्टी में कीचड़ भरकर चल रही है और सपा के प्रत्याशियों पर कीचड़ उछाल रही है। डिप्टी सीएम की ओर से लगाए गए आरोप के बाद सपा प्रत्याशी ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि ४०-४२ लाख रुपये हंडिया निवासी कारोबारी संजय यादव की वैध व्यापारिक पूंजी थी, जिसका विवरण आयकर विभाग को दिया गया है। उन्होंने कहा कि देर रात सुरक्षा की दृष्टि से कारोबारी को गाड़ी में लिफ्ट दी गई थी। सपा प्रत्याशी ने आयकर विभाग से जारी नोटिस को भी दिखाया। फर्जी डिग्री के आरोपों पर सपा प्रत्याशी ने बीएड, एमएड, नेट और पीएचडी की शैक्षणिक योग्यताओं का हवाला देते हुए निष्पक्ष जांच की चुनौती दी। उन्होंने मानहानि का मुकदमा करने की बात भी कही। उन्होंने कालेजों में परीक्षाएं कराकर मतदान प्रभावित करने की साजिश का आरोप लगाते हुए निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपने की बात कही।

सपा सरकारमें बेरोजगारों, शिक्षकोंके साथ होगा न्याय-डा. मान सिंह



स्नातक निर्वाचन क्षेत्र इलाहाबाद झांसी से सपा प्रत्याशी और वर्तमान एमएलसी डा.मानसिंह यादव ने दावा किया है कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पुरानी पेंशन की बहाली, वित्तविहीन शिक्षकों की सेवा पुस्तिका एवं सम्मानजनक मानदेय दिया जाएगा, शिक्षामित्र को समान कार्य समान वेतन दिया जाएगा, टीईटी से संबंधित विसंगतियों को दूर करके शिक्षकों को न्याय दिया जाएगा। साथ ही ग्राम सेवक, रोजगार सेवक, अनुदेशक, आंगनवाड़ी, आशा बहुओं के साथ न्याय किया जाएगा।

टीई टी से सम्बंधित विसंगतियों को दूर किया जायेगा। बुधवार को एक होटल में पत्रकारवार्ता के दौरान उन्होंने उक्त बातें कही। उन्होंने आगे कहा कि इलाहाबाद झांसी स्नातक क्षेत्र से सपा एमएलसी डॉक्टर मानसिंह यादव ने कहा है कि बेरोजगारी को दूर करने तथा प्रतियोगी छात्रों को कैलेंडर जारी कर नियमित भर्ती प्रक्रिया लागू की जाएगी,पेपर लीक जैसी महामारी का स्थाई समाधान किया जाएगा, अधिवक्ता भाइयों के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन कानून जारी होगा। आउटसोर्सिंग के स्थान पर सरकारी पदों पर नियमित भर्ती की जाएगी।

६९ हजार शिक्षक भर्ती मामले में उचित हस्ताक्षेप करके आरक्षण का पालन होगा। एक लाख शिक्षा प्रेरक जो २०१८ से संघर्ष कर रहे हैं उन्हें बहाल किया जायेगा।

इस दौरान जिलाध्यक्ष अनिल यादव, महानगर अध्यक्ष सैय्यद इफ्तेखार हुसैन, प्रवक्ता दान बहादुर मधुर आदि मौजूद रहें।

कार्यकर्ताओंका उत्साह ही संघटनकी सबसे बड़ी ताकत-राजीव पासवान



प्रयागराजसे भदोहीके लिए निकली पासी-पासवान शौर्य सम्मान यात्रा

बुधवार को प्रयागराज जनपद से पासी-पासवान शौर्य सम्मान यात्रा का शुभारंभ किया गया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बाबा भीमराव आम्बेडकर, वीर शिरोमणि महाराजा बिजली पासी, महाराजा कंस पासी, महाराजा लाखन पासी एवं लोजपा के संस्थापक स्व. राम विलास पासवान के चित्र को हाथों में लिया था। यह यात्रा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद एवं प्रभारी अरुण भारती एवं प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासी के नेतृत्व में निकाली गयी। पासी-पासवान शौर्य सम्मान यात्रा का मकसद गौरवशाली इतिहास, सामाजिक जागरूकता और सम्मान की पहचान दिलाना था। पार्टी कार्यालय में आगामी कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा की गयी। कार्यकर्ताओं के सुझाव सुने गये।

प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासी ने कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्साह ही संघटन की सबसे बड़ी ताकत है। प्रयागराज जनपद से शुरू पासी-पासवान शौर्य सम्मान यात्रा अपरान्ह भदोही जनपद पहुंची। फिर मिरजापुर चली गयी। कार्यकर्ताओं द्वारा जगह-जगह सम्मान यात्रा का स्वागत किया गया। कमल तिवारी प्रदेश महासचिव, जितेंद्र पासी प्रदेश महासचिव, रामविलास पासी प्रदेश सचिव अवनीश तिवारी, प्रदेश सचिव विजय राय मंडल अध्यक्ष मिर्जापुर राम अवध मिश्रा, जिला अध्यक्ष भदोही विजय पासी कार्यकारी अध्यक्ष भदोही सीमा सिंह आदि उपस्थित थे।

मुकदमा वापस नहीं लेनेपर दी धमकी

पूरामुफ्ती थाने में दर्ज एफआईआर वापस लेने का दबाव बनाने और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष के विवेक सिन्हा ने पुलिस अधिकारियों से लिखित शिकायत कर परिवार के सुरक्षा और आरोपितों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की है। आरोपितमें कुछ माफिया अतीक के गुर्गे बताए जा रहे हैं। नेहरू नगर, मीरापुर निवासी विवेक सिन्हा ने पुलिस अधिकारियों से शिकायत की है कि पूरामुफ्ती थाने में अब्बू तैयबा, अब्दुल माजिद, हसनैन उर्फ गुड्डू भाड़, अहमद शाह और शहबाज मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। साथ ही जान से मारने की धमकी देने और रेकी कराने का भी आरोप लगाया है। आरोप है कि आरोपितों के खिलाफ पूर्व में एफआईआर दर्ज करवाई गई थी। आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद भी पुलिस आरोपितों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

उधर, धूमनगंज निवासी ठेकेदार अंकित कक्कड ने दो अगस्त को धूमनगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि २९ जुलाई को उक्त आरोपितों ने असलहे के दम पर जबरन रोककर पांच लाख की रंगदारी मांगी और रुपये नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस की माने तो मोहम्मद हसनैन और मोहम्मद शाद के खिलाफ पांच-पांच अबू लैश व अबू तैयबा पर चार-चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। पीड़ित ने पुलिस अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

ट्रेनमें महिलाका पर्स छीनकर भागा युवक

पीड़ित महिलाकी बेटीने सोशल मीडियापर वीडियो वायरल करके दी मामले की जानकारी

मगध एक्सप्रेस से दिल्ली से इस्लामपुर जा रही महिला का बैग प्रयागराज में एक युवक छीन कर भाग गया। बैग में सोने की चेन, दो जोड़ी ईयर रिंग, १५ हजार रुपये नकद, मोबाइल, एटीएम कार्ड, क्रेडिट कार्ड और घर की चाबियां थीं। बैग लेकर भाग रहे युवक को पकड़ा नहीं जा सका। बाद में चोरी हुए डेबिट कार्ड से तुलाराम बाग स्थित एक एटीएम से १५ हजार रुपये निकाल लिये गये। पीड़ित महिला की बेटी निशु सिंह ने पूरी घटना का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किया है। इसमें उन्होंने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और जीआरपी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाये हैं। निशु के मुताबिक बीते १३ अक्तूबर की सुबह ट्रेन के प्रयागराज पहुंचने के दौरान उनकी मां के साथ रखा बैग एक युवक लेकर भाग गया।

उन्होंने युवक का पीछा किया, लेकिन वह ट्रेन से कूदकर फरार हो गया। इसके बाद उन्होंने आरपीएफ के जवानों को तलाशने की कोशिश की, लेकिन मौके पर कोई जवान नहीं मिला। बैग में रखे डेबिट कार्ड से तुलारामबाग स्थित एटीएम से १५ हजार रुपये निकाले जाने की जानकारी मिलने पर वो परेशान हो उठीं। आरोप लगाया कि घटना की जानकारी देने और एटीएम से हुए ट्रांजैक्शन का विवरण उपलब्ध कराने के बावजूद तत्काल एफआईआर दर्ज करने में मदद नहीं मिली। उन्हें यात्रा जारी रखने और गंतव्य पर पहुंचकर जीआरपी में शिकायत करने की सलाह दी गयी। इस्लामपुर पहुंचने पर भी शिकायत दर्ज कराने में परेशानी होने का भी आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप के बाद शिकायत लिखी गयी।

इस बारे में जब आरपीएफ के प्रयागराज जंक्शन पोस्ट के प्रभारी निरीक्षक अमित राणा स बात की गयी तो उन्होंने बताया कि छिनैती नहीं चोरी हुई है। कहा कि यात्रियों से सम्बन्धित मामला जीआरपी के अधिकार क्षेत्र में आता है। इस बारे में वही लोग बेहतर बता सकेंगे। हालांकि यह मामला जीआरपी में नहीं बिहार के फतुहा में पंजीकृत होने की बात सामने आ रही है।

कार्यकारिणी सदस्योंकी मतगणना आजसे

तीन दिनों तक स्थगित रहने के बाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव के कार्यकारिणी सदस्य (पुरूष) पद के मतपत्रों की गणना फिर से गुरूवार को लाइब्रेरी हाल में सुबह १० बजे से सायंकाल पांच बजे तक लाइब्रेरी हाल में की जायेगी।मतगणना स्थल में कार्यकारिणी सदस्य पद के प्रत्याशियों अथवा सम्बन्धित प्रत्याशी द्वारा लिखित रूप से नामित अधिवक्ता,उनके समर्थक के अलावा किसी अन्य अधिवक्ता के प्रवेश की अनुमति नहीं रहेगी। इसका कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा। यह जानकारी मुख्य चुनाव अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सैय्यद फरमान अहमद नकवी ने दी है।

श्रीरामके राज्याभिषेककी घोषणासे अवध नरेशकी जय-जयकार

अल्लापुरकी रामलीलामें चारों बहुओंके अयोध्या आनेपर छाया उल्लास

बाघम्बरी क्षेत्र अल्लापुर रामलीला कमेटी की ओर से बुधवार को रामलीला की शुरुआत पूर्व न्यायमूर्ति नीरज तिवारी, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के नव निर्वाचित अध्यक्ष डा. सीपी उपाध्याय ने संयुक्त रूप से भगवान श्री गणेश का पूजन कर दिया।

रामलीला के मंचन में श्रीराम सीता के विवाह की सूचना पर राजा दशरथ बारात लेकर जनकपुरी आते हैं। जहां चारों भाइयों का विवाह क्रमशः सीता, उर्मिला, मांडवी एवं श्रुतिकीर्ति के साथ होता है और राजा दशरथ चारों पुत्रों एवं पुत्रवधुओं के साथ अवधपुरी पहुंचते हैं, जहां हर्षोल्लास के साथ उत्सव मनाया जाता है। राज दरबार की तरफ से भेंट एवं उपहार प्रजावासियों में बांटे जाते हैं। जिसके बाद राजा दशरथ अपनी वृद्धावस्था के कारण श्रीराम का राज्यभिषेक करने की अपनी इक्छा राज गुरु वशिष्ठ से प्रकट करते हैं तब गुरु वशिष्ठ इस निर्णय को सामयिक और प्रत्येक भांति उपयुक्त बताते हुए शुभ मुहूर्त बताते हैं। राज भवन की ओर से यह सूचना और मुहूर्त के अनुसार नियत तिथि की घोषणा की जाती है। जनमानस हर्ष एवं उल्लास से ओत प्रोत हो अवध नरेश की जय जयकार करती है और रामराज की अभिलाषा से उत्सव की तैयारी में लग जाती है।

इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता डा सी पी उपाध्याय, ऋषिशंकर द्विवेदी,संचालन मंडल समिति के सदस्य चंदन भट्ट, ओम प्रकाश मिश्र,(बच्चा भैया), राजू केसरवानी, आचार्य राजेश त्रिपाठी, भानु पटेल, वीरेंद्र तिवारी, रत्नेश दुबे, अमरचंद्र जैन, शिवम पांडेय, कक्कू पाण्डेय, दिलीप पासी, विकास केसरवानी, मोहन कुशवाहा, विशाल सोनकर, अमित त्रिपाठी सहित आदि मौजूद रहे। राम के किरदारमें शिवा कुमार, लक्ष्मण के दीपेंद्र सिंह, सीताजी के रूप में सृष्टि जाना रहीं। राजा दशरथ के रूप में धनंजय तिवारी तथा रामलीला का निर्देशन निर्देशिका प्रिया मिश्रा ने किया।

महानगरकी खबरें पृष्ठ ११ पर भी देखें

श्रीरामने चढ़ायी प्रत्यंचा, टूट गया धनुष, सीताने डाली वरमाला

सिविल लाइंसकी रामलीलामें धनुष यज्ञ एवं सीता स्वयंवरका मनोहारी मंचन

श्री श्री बाल रामलीला समिति सिविल लाइंस की रामलीला में बुधवार को धनुष यज्ञ और सीता स्वयंवर का मंचन किया गया। जिसमें मिथिला नरेश महाराज जनक ने अपनी पुत्री माता सीता के विवाह के लिए स्वयंवर रचा और शर्त रखी कि जो भी वीर भगवान शिव के विशाल धनुष पिनाक पर प्रत्यंचा चढ़ाएगा, उसी के साथ सीता का विवाह होगा। स्वयंवर में लंकापति रावण सहित कई बड़े राजा-महाराजा पहुंचे, लेकिन कोई भी उस शिव धनुष को हिला तक नहीं सका। राजा जनक ने जब यह कहा कि धरती वीरों से खाली हो गई है, तब क्रोधित होकर लक्ष्मण ने उनका विरोध किया, जिन्हें भगवान श्रीराम ने शांत कराया।

गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर भगवान श्रीराम ने सहज ही शिव धनुष को उठाया और प्रत्यंचा चढ़ाते ही वह धनुष टूट गया। धनुष टूटने के बाद पूरे जनकपुर में जयश्रीराम के जयकारे गूंज उठे, पुष्पवर्षा हुई और माता सीता ने भगवान श्रीराम के गले में वरमाला डाली। भगवान श्री राम माता सीता के विवाह पर रामलीला परिसर में दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट और जय श्रीराम के नारे से पूरा परिसर उठा। रामलीला प्रारंभ होने से पहले भगवान राम लक्ष्मण की आरती उतारी गयी। राम की भूमिका अमित श्रीवास्तव, लक्ष्मण की रवि यादव, रावण की विक्रम राय, बाणासुर की नरेंद्र यादव, परशुराम की अनुज दुबे, सीता की शिखा आर्य, सत्यानंद रितेश कुमार, जनक की आदित्य, विश्वामित्र की सतीश तिवारी ने निभायी। रामलीला के मंचन के निर्देशक जगदीश बुध प्रधान एवं शेकर सुमन रहे। १५ अक्तूबर को राम वनवास और चित्रकूट में भरत मिलाप का मंचन किया जाएगा।



'गाथा रामकी' में जीवंत हो उठा सीता हरण-जटायु युद्धका मार्मिक दृश्य

श्री कटरा रामलीला कमेटीकी ओरसे प्रेम, अपमान एवं अपहरणका प्रभावशाली मंचन

श्री कटरा रामलीला कमेटी की ओर से 'राम वाटिका' में आयोजित हो रही भव्य एवं आधुनिक रामलीला प्रस्तुति अतुल यदुवंशी के निर्देशन मे 'गाथा राम का' के पांचवें दिन बुधवार को 'पंचवटी का संकट में प्रेम, अपमान और अपहरण' का अत्यंत प्रभावशाली और रोमांचक मंचन किया गया। रंगमंच पर शूर्पणखा प्रसंग से लेकर सीता-हरण तथा जटायु युद्ध तक की घटनाओं का ऐसा सजीव प्रदर्शन हुआ कि पूरा परिसर जय श्री राम के जयकारों से गूँज उठा और दर्शक रोमांच, वीरता एवं करुणा के भावों में डूब गए। मंचन की शुरुआत पंचवटी के शांत और प्राकृतिक वातावरण के दृश्य से हुई। लंकापति रावण की बहन सूर्पणखा के अपमान का बदला लेने के लिए रावण द्वारा रची गई कपट-नीति के तहत मारीच सुवर्ण मृग (सोने का हिरण) बनकर आया। माता सीता के आग्रह पर भगवान श्री राम उस अद्भुत मृग का पीछा करने वन की ओर प्रस्थान करते हैं। अगले चरण में मारीच की कपटपूर्ण चीत्कार सुनकर व्याकुल हुई माता सीता के कहने पर लक्ष्मण जी सुरक्षा के लिए लक्ष्मण रेखा खींचकर राम की खोज में निकलते हैं। इसके पश्चात रावण साधु का वेश धरकर छल-पूर्वक माता सीता का हरण कर लेता है। मंचन का सबसे प्रभावकारी और रोमांचक क्षण 'जटायु-रावण युद्ध' का दृश्य रहा। जब लंकापति रावण माता सीता को आकाश मार्ग से ले जा रहा था, तब वृद्ध पक्षीराज जटायु ने अधर्म का विरोध करते हुए अदम्य साहस का परिचय दिया। जटायु और रावण के बीच हुए भीषण युद्ध के दृश्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में रावण द्वारा जटायु के पंख काट देने और जटायु के भूमि पर गिरकर श्री राम के चरणों में प्राण त्यागने का दृश्य देखकर पूरा पंडाल अश्रुपूरित हो उठा। इससे पूर्व पंचम दिवस के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद शैलेन्द्र कुमार, व्यवसायी राज कुमार गुप्ता, संजय गुप्ता टोनी, शिव दर्शन अग्रवाल, रवि गुप्ता, शिव गुप्ता मुन्ना एवं कमेटी के पदाधिकारी अध्यक्ष सुधीर गुप्ता, महामंत्री उमेश चन्द्र केसरवानी, कोषाध्यक्ष अश्वनी केसरवानी, उपाध्यक्ष विनोद केसरवानी, आनन्द अग्रवाल, मयंक अग्रवाल मंत्री शिव बाबू गुप्ता, महेश चन्द्र गुप्ता, विपुल मित्तल, कार्यकारिणी सदस्य दिलीप चौरसिया, मीडिया प्रभारी डॉ. पवन प्रजापति, रेनू राज सिंह एवं अलोक गुप्ता, ने रामायण की आरती की।

राम वनवास प्रसंगको देखकर रो पड़ी अयोध्या, न जाओ प्रभु...

श्री पजावाकी रामलीलामें कैकेयीका कोप भवनमें जाना, दशरथसे दोनों वर मांगनेका भावपूर्ण मंचन

श्री महंत बाबा हाथी राम पजावा रामलीला कमेटी की ओर से ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से मंचित रामलीला के मंचन में प्रभु श्री राम को राजगद्दी मिलते मिलते वनवास मिल गया, मंथरा की कूटनीति द्वारा कैकई का कोप भवन में जाना और राजा दशरथ से तर्क वितर्क कर अपने दोनों वर को मांगने का दृश्य बहुत ही भावपूर्ण रहा, राम वनवास की लीला देखकर पूरी जनता भाव विभोर उठी, मत जाओ मत जाओ हे राम अयोध्या छोड़ के तुम मत जाओ, के गीत पर मैदान में उपस्थित सारी जनता के आंखों से आंसू बहने लगे, दशरथ मरण का दृश्य जैसे वास्तविकता में हो रहा हा,रानियों का बिलाप तो देखते ही बन रहा था। केवट का प्रसंग का दृश्य तो बहुत ही मनमोहक रहा। इससे पूर्व सर्वप्रथम प्रभु श्री राम-लक्ष्मण माता जानकी की आरती पंकज पांडे एसपी प्रोटोकॉल एवं रौनक गुप्ता डिवीजनल वार्डन सिविल डिफेंस उतारी। इस मौके पर कमेटी के मोहन जी टंडन (टंडन भैया),अमिताभ टंडन, राजेश मल्होत्रा, गिरी शंकर प्रभाकर एवं रामलीला के निर्देशक सचिन कुमार गुप्ता मौजूद रहे। कमेटी की ओर से आयोजित प्रतियोगिता जिसमें यूनाइटेड ईंस्टिट्यूट की प्रा. शिवानी गुप्ता ने बच्चों से श्री राम पर आधारित प्रश्न पूछे, दस बच्चों का सही उत्तर देने पर उन्हें प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

मत जाओ-मत जाओ हे राम अयोध्या छोड़कर...

श्री पथरचट्टी रामलीलाकी ओरसे मार्मिक मंचनसे रो पड़े श्रद्धालु

श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी की ओर से 'कथा रामराज की' के तहत बुधवार रात राम वन गमन प्रसंग का कलाकारों ने बखूबी अपना दायित्व निभाया। जैसे ही राम भ्राता लक्ष्मण एवं पत्नी सीता के साथ अयोध्या से वन गमन के लिए निकलते हैं, वैसे ही अयोध्यावासी 'मत जाओ-मत जाओ हे राम अयोध्या छोड़कर मत जाओ का उच्चारण करते हुए रो पड़ते हैं। सर्वप्रथम मंचन में कैकेयी मंथरा के साथ वार्ता करती है। राम का अयोध्या के राजसिंहासन पर बैठना मंथरा को कदापि सहन नहीं। मंथरा कैकेयी को उकसाती है कि भरत को अयोध्या का राजा होना चाहिए। कैकेयी अपने विरोध को प्रदर्शित करने कोप भवन चली जाती है। राजा दशरथ को इसकी सूचना मिलती है। राजा दशरथ कैकेयी को मनाने उनके पास जाते है, उसे संतुष्ट करने की कोशिश करते हैं। वहीं राम को बुलाया जाता है। कैकेयी राम को बताती है कि राजा चाहते हैं कि राम मुनिवेष धारण कर अयोध्या छोड़ तुरंत वन को निकल जायं। राम सहर्ष वन जाना स्वीकार कर लेते हैं। उधर लक्ष्मण यह समाचार पाते हैं और राम के साथ वन जाने का निश्चय कर लेते हैं। अयोध्या के राजमहल में खलबली मच जाती है। ऊर्मिला का मनःताप वह भी लक्ष्मण के साथ जाना चाहती है लेकिन लक्ष्मण उन्हे घर पर रहने को कहते हैं। कौशल्या से विदा मांगने के लिए राम जाते हैं और माता दोनों विह्वल हो जाते है।। राम कैकेयी के महल मैं दशरथ से वन जाने की आज्ञा लेने जाते है, जहां राजा दशरथ बेसुध पड़े रहते हैं। उनका चरण छू कर राम वन प्रस्थान की आज्ञा लेते है। जैसे ही राम अयोध्या से निकलने लगते है, पीछे-पीछे पूरी अयोध्यावासी राम से विनय अनुवय करने लगते हैं कि मत जाओ, मत जाओ हे राम, अयोध्या छोड़ के तुम मत जाओ। इसी के साथ बुधवार की लीला का मंचन सम्पन्न हो जाता है।